Reporters Required!
For
Delhi, Haryana, UP, Ludhiana, Shimla, Bihar, Jammu, Jaipur Amritsar, Bathinda,
Call/WhatsApp:
+91-9157875000
+91-9815619715
Email:
azadvaani65@gmail.com

Monthly Hindi/English Newspaper

Published from SAS Nagar (Mohali)

Azad वाणी

NEWS • VIEWS • ANALYSIS

RNI No. PBBIL/26/A0779

पार्क हॉस्पिटल मोहाली बना रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, 2500 से अधिक सफल सर्जरी

चंडीगढ़, 14 मई 2026 : Park Hospital Mohali ने रोबोटिक जोड़ प्रत्यारोपण के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए स्वयं को क्षेत्र के प्रमुख उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित किया है। गुरुवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में अस्पताल के निदेशक-अस्थि रोग एवं रोबोटिक जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ भानु प्रताप सिंह तथा वरिष्ठ सलाहकार-अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ अनिल कपूर वशिष्ठ ने रोबोटिक घुटना सतह प्रत्यारोपण शल्य चिकित्सा में हुई नवीन प्रगति की जानकारी दी। डॉ भानु प्रताप सिंह ने बताया कि पार्क अस्पताल मोहाली में अब तक 2500 से अधिक रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण शल्य चिकित्साएं सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में Park Hospital Panchkula और मोहाली इकाई में 30 जून तक मरीजों को निःशुल्क रोबोटिक तकनीक उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच सकें।

उन्होंने बताया कि पार्क अस्पताल मोहाली इस क्षेत्र का एकमात्र अस्पताल है, जहां अत्याधुनिक "रोबोटिक सूट" तकनीक उपलब्ध है। इसमें रोबोटिक त्रि-आयामी प्रणाली, रोबोटिक दृष्टि प्रणाली तथा रोबोटिक भुजा जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं, जो शल्य चिकित्सा में अधिक सटीकता, बेहतर परिणाम और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ सुनिश्चित करती हैं।

डॉ भानु ने कहा कि पहले घुटना प्रत्यारोपण शल्य चिकित्सा के बाद मरीजों को तीन से चार सप्ताह तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ता था, लेकिन आधुनिक रोबोटिक तकनीक के कारण अब यह शल्य चिकित्सा केवल 12 से 15 मिनट में पूरी की जा रही है। इससे मरीजों की स्वास्थ्य लाभ अवधि में भी काफी कमी आई है और वे जल्दी सामान्य जीवन में लौट पा रहे हैं।

इस अवसर पर डॉ अनिल कपूर वशिष्ठ ने भारत में चिकित्सा सुविधाओं की कम लागत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अमेरिका में कूल्हा प्रत्यारोपण शल्य चिकित्सा की लागत लगभग 57 हजार अमेरिकी डॉलर तक पहुंचती है, जबकि भारत में समान प्रत्यारोपण और तकनीक के साथ यही शल्य चिकित्सा लगभग 7 हजार अमेरिकी डॉलर में संभव है। इससे भारत चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से उभर रहा है।

पार्क अस्पताल समूह के उत्तर क्षेत्र मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष चड्ढा ने बताया कि पार्क अस्पताल मोहाली अब ईसीएचएस, सीजीएचएस, ईएसआई, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश सरकारों सहित सभी प्रमुख तृतीय पक्ष प्रशासकों और कॉरपोरेट संस्थानों के साथ सूचीबद्ध है।

पंचायत चुनावों के लिए हिमाचल सरकार का बड़ा फैसला

14 मई शिमला : सरकार ने पंचायत चुनावों में अधिक से अधिक मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण फैसला लिया है। राज्य सरकार ने 26, 28 और 30 मई को उन क्षेत्रों में सवेतन अवकाश घोषित किया है, जहां पंचायत चुनाव आयोजित किए जाएंगे। इस निर्णय का उद्देश्य मतदाताओं को बिना किसी कार्य दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार संबंधित क्षेत्रों में सरकारी, अर्धसरकारी, बोर्ड, निगम तथा निजी संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों को मतदान के दिन सवेतन छुट्टी प्रदान की जाएगी। प्रशासन ने सभी विभागों और संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि कर्मचारियों को मतदान के लिए आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराई जाए, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

राज्य निर्वाचन आयोग और जिला प्रशासन पंचायत चुनावों की तैयारियों में जुटे हुए हैं। विभिन्न जिलों में मतदान केंद्रों की व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध और कर्मचारियों की तैनाती को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

हिमाचल में निकाय चुनाव प्रचार अंतिम चरण में, नगर निगमों पर सबसे ज्यादा नजर

14 मई शिमला : 51 शहरी स्थानीय निकायों में होने वाले चुनावों को लेकर प्रचार अभियान अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। प्रदेशभर में राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों ने प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है। खासतौर पर नगर निगम चुनावों पर सभी दलों की नजर बनी हुई है।

राज्य के विभिन्न शहरों और कस्बों में जनसभाओं, रैलियों और डोर-टू-डोर प्रचार का दौर लगातार जारी है। उम्मीदवार विकास, सफाई व्यवस्था, पेयजल, सड़क और रोजगार जैसे मुद्दों को लेकर जनता से समर्थन मांग रहे हैं।

प्रशासन की ओर से भी चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जा रही है और मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए गए हैं।

शिक्षा विभाग क्लास फोर कर्मचारी यूनियन के चुनाव

शिक्षा विभाग Class Four Employees Union Chandigarh Education Department के प्रधान पद के लिए 16 मई को होने वाले चुनाव को लेकर कर्मचारियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। चुनाव की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं और यूनियन सदस्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

प्रधान पद के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया के तहत 11 मई 2026 को प्रारंभिक रूप से तीन उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। इनमें सरकारी हाई स्कूल सेक्टर-52, चंडीगढ़ के गेटकीपर संजय कुमार, सरकारी मॉडल हाई स्कूल सेक्टर-38, चंडीगढ़ के चौकीदार संजय कुमार तथा सरकारी हाई स्कूल दड़वा गांव, चंडीगढ़ के गेटकीपर एल्विन मसीह शामिल थे।

यूनियन सदस्यों की मांग पर चुनाव समिति ने नामांकन प्रक्रिया को एक दिन के लिए बढ़ा दिया। इसके बाद 12

मई 2026 को दो अन्य प्रत्याशियों ने भी प्रधान पद के लिए अपने नामांकन दाखिल किए। इनमें सरकारी मॉडल मिडल स्कूल, एमएचसी मनीमाजरा, चंडीगढ़ के चौकीदार गुरप्रीत सिंह तथा सरकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-19सी, चंडीगढ़ के सफाई कर्मचारी सुरेश कुमार शामिल रहे।

इस प्रकार प्रधान पद के लिए कुल पांच उम्मीदवार मैदान में थे। हालांकि नामांकन वापसी के अंतिम दिन 13 मई 2026 को दो उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए। जानकारी के अनुसार संजय यादव और एल्विन मसीह ने अन्य प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव मैदान से हटने का निर्णय लिया। यूनियन सदस्यों का मानना है कि यह कदम यूनियन के इतिहास में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने वाला एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक फैसला है।

अब प्रधान पद के लिए अंतिम मुकाबला तीन उम्मीदवारों के बीच होगा। चुनाव समिति ने सभी सदस्यों से अपील की है कि वे 16 मई को होने वाले चुनाव में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सफल बनाएं तथा निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने में सहयोग दें।

चुनाव को लेकर विभागीय कर्मचारियों के बीच लगातार बैठकों और चर्चाओं का दौर जारी है। कर्मचारियों का कहना है कि वे ऐसे नेतृत्व का चयन करना चाहते हैं|

14 मई से महंगा हुआ वेरका दूध, ट्राइसिटी के उपभोक्ताओं पर बढ़ा बोझ

14 मई चंडीगढ़: पंजाब और ट्राइसिटी क्षेत्र के लोगों को अब दूध के लिए अधिक कीमत चुकानी होगी। 14 मई 2026 से Verka दूध की नई कीमतें लागू कर दी गई हैं, जिसके बाद चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला सहित पूरे पंजाब में उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। वेरका द्वारा विभिन्न श्रेणियों के दूध की कीमतों में प्रति लीटर बढ़ोतरी की गई है।

दूध की कीमतों में वृद्धि का असर सीधे तौर पर आम परिवारों की रसोई पर पड़ने वाला है। खासकर मध्यम वर्ग और दैनिक उपभोग के लिए पैकेट दूध पर निर्भर परिवारों को अब हर महीने अधिक खर्च उठाना पड़ेगा। ट्राइसिटी क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग वेरका दूध का उपयोग करते हैं, ऐसे में यह बढ़ोतरी हजारों परिवारों के घरेलू बजट को प्रभावित कर सकती है।

वेरका प्रबंधन के अनुसार दूध की कीमतों में वृद्धि का मुख्य कारण उत्पादन लागत में लगातार बढ़ोतरी है। पशुओं के चारे की कीमतें बढ़ने, डीजल और परिवहन खर्च में इजाफा होने तथा डेयरी संचालन से जुड़े अन्य खर्चों में वृद्धि के चलते यह फैसला लिया गया है। डेयरी क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में दुग्ध उत्पादन की लागत काफी बढ़ी है, जिसके कारण दूध कंपनियों पर आर्थिक दबाव बना हुआ था।

नई दरों के लागू होने के बाद बाजारों और उपभोक्ताओं के बीच इस विषय को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। कई लोगों का कहना है कि पहले से ही खाद्य पदार्थों, सब्जियों, गैस सिलेंडर और अन्य घरेलू जरूरतों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, ऐसे में दूध महंगा होना आम जनता के लिए अतिरिक्त परेशानी का कारण बनेगा।

गृहिणियों और नौकरीपेशा लोगों ने चिंता जताई है कि रोजमर्रा की जरूरतों का खर्च लगातार बढ़ने से घरेलू बजट संतुलित करना मुश्किल होता जा रहा है। दूसरी ओर डेयरी क्षेत्र से जुड़े लोगों का मानना है कि किसानों और डेयरी उत्पादकों को भी बढ़ती लागत का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए कीमतों में संशोधन आवश्यक हो गया था।

ट्राइसिटी के दुकानदारों के अनुसार नई कीमतें लागू होने के बाद उपभोक्ताओं में शुरुआती नाराजगी जरूर देखने को मिल रही है|

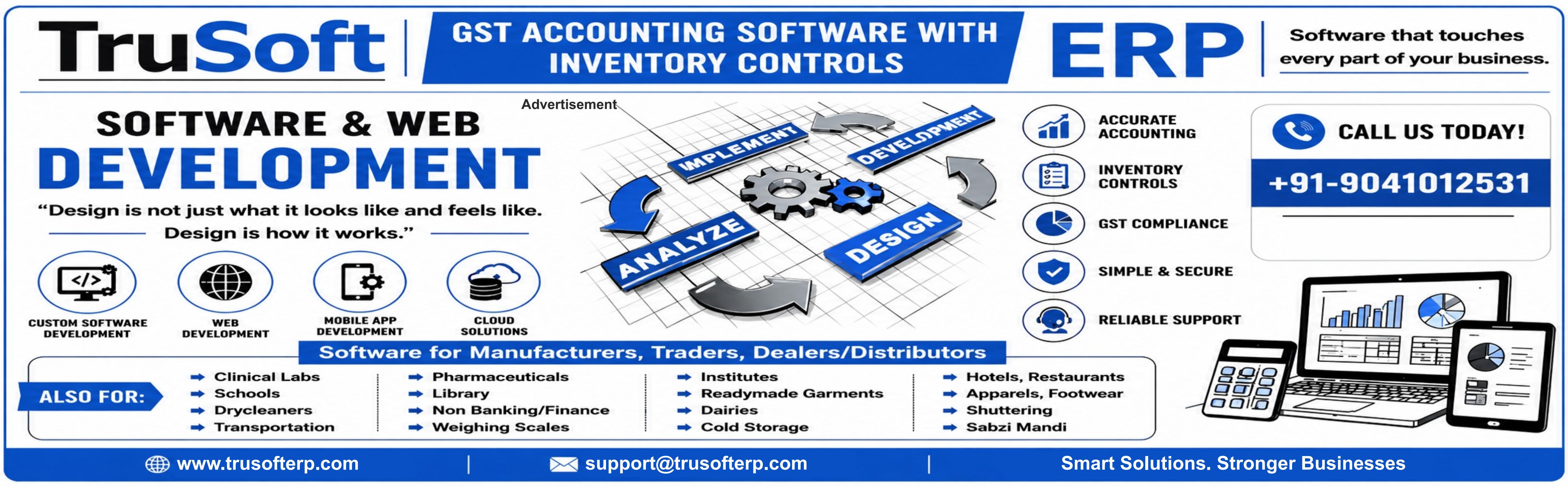

herbegy™

Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.

PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015